MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Police brutalities and ill-treatment meted out to Dr. Ejaz Ali, M.P.

डा. ऐजाज़ अली (बिहार)**:** महोदय, हमारी बात दो मिनट सुनी जाए। ...(**व्यवधान**)...

[**ڈاکٹر اعجاز علی:** مہودے، ہماری بات دو منٹ سنی جائے۔۔۔مداخلت۔۔]

श्री उपसभापति : हां, बोलिए, बोलिए।

डा. ऐजाज़ अली: सर, हमने 20 मार्च को oath ली थी । ...(**व्यवधान**)...

[**ڈاکٹر اعجاز علی (بہار)** : سر، ہم نے 20 مارچ کو oath لی تھی۔۔۔مداخلت۔۔]

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal)**:** There is no safety and security for the North-Indian people in Maharashtra.

श्री उपसभापति: यह मैम्बर की बात है, अब आप ...(**व्यवधान**)... It is also his security. ...*(Interruptions)*... आप बोलिए, बोलिए।

डा. ऐजाज़ अली: सर, हमने 20 मार्च को oath ली थी...(व्यवधान)... Oath लेने पर हमको यह कहा गया कि आज तुम ऐसे सदन में पहुंच गए हो...(व्यवधान)...

ڈاکٹر اعجاز علی: سر، ہم نے 20 مارچ کو oath لی تھی۔۔۔مداخلت۔۔۔oath لینے پر ہم کو یہ کہا گیا کہ آج تم ایسے سدن میں پہنچ گئے ہو۔۔۔مداخلت۔۔

श्री उपसभापति: आप विषय पर बोलिए।

डा. ऐजाज़ अली : तुम ऐसे सदन में पहुंच गए हो, जहां तुम्हें एक विशेषाधिकार के दायरे में रहना है, तुम ऐसी पंचायत में पहुंच गए हो, जहां तुम्हारी बात को पूरे मुल्क में अप्लाई किया जाएगा। हम खुश हो गए, हम न्यू कमर हैं, हम कभी असेम्बली में नहीं रहे, न ही कभी किसी तरह के अन्य सदन में रहे, पहली मर्तबा राज्य सभा में आए हैं। हमें यह लगा कि हम एक अच्छी जगह पहुंच गए हैं, एक विशेषाधिकार के दायरे में पहुंच गए हैं, लेकिन पिछली 28 तारीख को, जब हम दलित मुस्लिम आरक्षण को लेकर पार्लियामेंट को घेर रहे थे, उसमें हम चीफ गेस्ट की हैसियत से पहुंचे, पिछले चौदह बरस से हम सिर्फ दलित मुस्लिम आरक्षण पर ही काम करते आ रहे हैं, हम वहां पहुंचे, प्रदर्शन में जैसा होता है, वैसा हुआ, पुलिस ने हमारे लोगों पर सीधे लाठी चार्ज कर दिया, न पानी बहाया और न ही उनको टोका, सीधे लाठी चार्ज किया, पथराव किया, आंसू गैस भी छोड़ा। हम किनारे पर खड़े थे, पुलिस हमें टारगेट बनाकर पकड़कर ले गई, बाँह पकड़कर, कॉलर पकड़कर इस तरह से ले गई, जैसे किसी चोर या मुज़रिम को ले जाया जाता है...(**व्यवधान**)...वे हमें पहचानते थे कि हम एम.पी. हैं, हमने उन्हें टोका भी कि हम एम.पी. हैं, अगर हमें मुज़रिम समझते हो तो हमें कायदे से ले चलो, जैसे एम.पी. को लेकर जाया जाता है, लेकिन उसने रास्ते में ले जाते हुए हमसे कहा कि एम.पी. हो तो क्या है, अंदर चलो बताते हैं और थाने में ले जाकर मेरी उसी तरह से पिटाई हुई जैसे एक चोर की होती है, लात और घूँसे से मुझे मारा गया, सिर पर मारा गया, सीने पर बूट से मारा गया और मुझे उसी जगह फेंक दिया गया जहां हमारे चवालीस साथियों को इन्ज्योर्ड हालत में रखा गया था ...(**व्यवधान**)... मेरी तकलीफ़ की वजह से मुझे बाद में राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भेजा गया और हमारे चवालीस साथियों को इन्ज्योर्ड हालत में

[]Transliteration in Urdu Script.

तिहाड़ जेल भेज दिया गया। यह केंद्र सरकार है, हम दलित मुस्लिम आरक्षण की बात करते हैं...(व्यवधान)...दलित मुस्लिम आरक्षण...(व्यवधान)... मेरी बात सुन ली जाए ...(**व्यवधान**)...मेरी बात सुन ली जाए...(व्यवधान)...

श्री विनय कटियार (उत्तर प्रदेश): सर, ये पहली बार बोल रहे हैं, इन्हें बोलने दिया जाए...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: कटियार जी, ये बात वे पहले बोले हैं, आप बैठिए...(व्यवधान)...

डा. ऐजाज़ अली: हमने कोई नाजायज मांग नहीं की कि पूरे मुसलमानों को आरक्षण दे दें, हम सिर्फ उनकी मांग कर रहे हैं जो मोची हैं, धोबी हैं, नट हैं। हम इनकी मांग करते हैं कि इनको भी हक मिलना चाहिए। इस सरकार की सच्चर कमेटी ने रिकमेंड किया कि इनको हक मिलना चाहिए, इस सरकार के रंगनाथ मिश्रा कमीशन ने रिकमेंड किया कि इनको हक मिलना चाहिए, नेशनल कमीशन फोर शेड्यूल्ड कास्ट ने रिकमेंड किया कि मिलना चाहिए, नेशनल कमीशन फोर माइनोरिटीज ने रिकमेंड किया कि मिलना चाहिए, ये इन्हीं लोगों के बनाए हुए कमीशन हैं, जिन्होंने कहा है कि मिलना चाहिए, लेकिन जब हम उसी चीज को सुनकर पार्लियामेंट के सामने इनसे मांगने गए तो इन्होंने लाठी और जूता बरसाया। ऐसे सूरतेहाल में हम यही चाहते हैं - हमने आपको ख़बर भी की, हमने अध्यक्ष महोदय को भी ख़बर दी, लेकिन आज इतने दिन गुजर गए हैं, न जाने कितने सोमवार गुजरे हैं, कितने ऐतवार गुजरे हैं, डेढ़-दो महीने गुजर गए हैं, लेकिन पुलिस के ख़िलाफ़ कोई ऐक्शन नहीं हुआ है। अगर यही चलता रहेगा तो आज आपका राज है, कल हमारा राज आएगा। अगर आपकी भी इसी तरह से पिटाई ...(**व्यवधान**)... क्योंकि एम.पी. तो बराबर होता है..(**व्यवधान**)..क्या हमें प्रदर्शन करने का अधिकार नहीं है...(**व्यवधान**)...क्या प्रदर्शन करने पर हमें इसी तरह से पीटा जाएगा...(**व्यवधान**)...अगर ऐसा ही चलता रहेगा तो ऐसे विशेषाधिकार से मुक्त कर देना चाहिए...(**व्यवधान**)...

ڈاکٹر اعجاز علی: تم ایسے سدن میں پہنچ گئے ہو، جہاں تمہیں ایک وشیش ادھیکار کے دائرے میں رہنا ہے، تم ایسی پنچایت میں پہنچ گئے ہو، جہاں تمہاری بات کو پورے ملک میں اپلائی کیا جائے گا۔ ہم خوش ہو گئے، ہم نیو کمر ہیں، ہم کبھی اسمبلی میں نہیں رہے، نہ ہی کبھی کسی طرح کے دوسرے سدن میں رہے، پہلی مرتبہ راجیہ سبھا میں آئے ہیں۔ ہمیں یہ لگا کہ ہم ایک اچھی جگہ پہنچ گئے ہیں، ایک وشیش ادھیکار کے دائرے میں پہنچ گئے ہیں، لیکن پچھلی 28 تاریخ کو، جب ہم دلت ۔ مسلم آرکشن کو لیکر پارلیمنٹ کو گھیر رہے تھے، اس میں ہم چیف گیسٹ کی حیثیت سے پہنچے، پچھلے چودہ برس سے ہم صرف دلت ۔ مسلم آرکشن پر ہی کام کرتے آرہے ہیں، ہم وہاں پہنچے، پردرشن میں جیسا ہوتا ہے، ویسا ہوا، پولیس نے ہمارے لوگوں پر سیدھے لاٹھی چارج کر دیا، نہ پانی بہایا اور نہ ہی ان کو ٹوکا، سیدھے لاٹھی چارج کیا، پتھراؤ کیا، آنسو گیس بھی چھوڑا۔ ہم کنارے پر کھڑے تھے، پولیس ہمیں ٹارگیٹ بنا کر پکڑ لے گئی، بانہیں پکڑ کر، کالر پکڑ کر اس طرح سے لے گئی، جیسے کسی چور یا مجرم کو لے جایا جاتا ہے۔ مداخلت ۔۔ وہ ہمیں پہچانتے تھے کہ ہم ایم۔ پی۔ ہیں۔ ہم نے انہیں ٹوکا بھی کہ ہم ایم۔ پی۔ ہیں، اگر ہمیں مجرم سمجھتے ہو تو ہمیں قاعدے سے لے چلو، جیسے ایم۔ پی۔ کو لے جایا جاتا ہے پہلے اس نے راستے میں لے جاتے ہوئے ہم سے کہا کہ ایم۔ پی ہو تو کیا ہے، اندر چلو بتاتے ہیں۔ اور تھانے میں لے جا کر میری اسی طرح سے پٹائی ہوئی جیسے ایک چور کی ہوتی ہے۔ لات اور گھونسوں سے مجھے مارا گیا، سر پر مارا گیا۔ سینے پر بوٹ پر مارا گیا۔ اور مجھے اسی جگہ پھینک دیا گیا۔ جہاں ہمارے چوالیس ساتھیوں کو زخمی (Injured) حالت

[]Transliteration in Urdu Script.

شری ونئے کٹیار: سر یہ پہلی بار بول رہے ہیں، انہیں بولنے دیا جائے۔۔مداخلت۔۔

شری اپ سبھا پتی: کٹیار، جی یہ وہ پہلے بولیں، ہیں آپ بیٹھیے۔۔مداخلت۔۔

ڈاکٹر اعجاز علی: ہم نے کوئی ناجائز مانگ نہیں کی کہ پورے مسلمانوں کو آرکشن دے دیں، ہم صرف ان کی مانگ کر رہے ہیں جو موچی ہے، دھوبی ہے، نٹ ہے، ان ہم کی مانگ کرتے ہیں کہ ان کو بھی حق ملنا چاہئے۔اس سرکار کی سچر کمیٹی نے ریکمینڈ کیا کہ ان کو حق ملنا چاہیے، اس سرکار کے رنگ اناتھ مشرا کمیشن نے ریکمینڈ کیا کہ ان کو حق ملنا چاہیے، نیشنل کمیشن فار شیڈولڈ کاسٹ نے ریکمینڈ کیا کہ ملنا چاہیے، نیشنل کمیشن فار مائنارٹیز نے ریکمینڈ کیا کہ ملنا چاہیے، یہ انہیں لوگوں کے بنائے ہوئے کمیشن ہیں، جنہوں نے کہا ہے کہ ملنا چاہیے، لیکن جب ہم اسی چیز کو لے کر پارلیمینٹ کے سامنے ان سے مانگنے گئے تو انہوں نے لاٹھی اور جوتا برسایا۔ایسی صورت حال میں ہم یہی چاہتے ہیں۔ہم نے آپ کو خبر بھی کی، ہم نے ادھیکش مہودے کو بھی خبر دی، لیکن آج اتنے دن گذر گئے ہیں، نہ جانے کتنے سوموار گذر رہے ہیں، کتنے اتوار گذر رہے ہیں، ڈیڑھ دو مہینے گذر گئے ہیں، لیکن پولیس کے خلاف کوئی ایکشن نہیں ہوا ہے۔اگر یہی چلتا رہے گا تو آج آپ کا راج ہے، کل ہمارا راج آئے گا۔اگر آپ کی بھی اسی طرح سے پٹائی ۔۔مداخلت۔۔کیوں کہ ایم۔پی۔تو برابر ہوتا۔۔مداخلت۔۔ہے کیا ہمیں پردرشن کرنے کا ادھیکار نہیں ہے۔۔مداخلت۔۔کیا پردرشن کرنے پر ہمیں اسی طرح سے پیٹا جائے گا۔۔مداخلت۔۔اگر ایسا ہی چلتا رہے گا تو ایسے وشیش ادھیکار سے مکت کر دینا ۔۔مداخلت۔۔چاہیے۔

श्री उपसभापति : आप बैठिए, देखिए Hon. Member has given a privilege notice during intersession. The hon. Chairman has taken serious note of it and admitted the privilege notice. He forwarded the same to Privileges Committee. The matter is now before the Privilege Committee. The Committee is examining the matter and is meeting in the next two days for this purpose itself. ...(**व्यवधान**)...

श्री राजीव प्रताप रूडी (बिहार): सर, माइनोरिटी के मैम्बर हैं...(व्यवधान)...

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN (Kerala): Sir, this should be condemned and immediate action should be taken...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me intervene...*(Interruptions)*...

AN HON. MEMBER: Sir, a minority Member has been dishonoured...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: That is a different matter.

श्री उपसभापति : प्रिविलेज कमेटी ने यह मैटर लिया है, वह डिसाइड करेगी...(**व्यवधान**)... आप बैठिए...(**व्यवधान**)...

श्रीमती वृंदा कारत (पश्चिमी बंगाल) : एक सांसद के ऊपर इस तरह से हुआ है...(**व्यवधान**)...आप मुझे बोलने नहीं दे रहे हैं...(**व्यवधान**)...

[]Transliteration in Urdu Script.

SHRI MATILAL SARKAR (Tripura): Sir, we want immediate action on this from the Government*...(Interruptions)...*

श्री वीरेन्द्र भाटिया (उत्तर प्रदेश): सर, एक मैम्बर की मर्यादा ...(**व्यवधान**)...

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: Sir, the hon. Home Minister should intervene immediately*...(Interruptions)...*

DR. V. MAITREYAN (Tamil Nadu): Sir, the House would like to know what action the Government have taken on this.

THE DEPUTY CHAIRMAN: If everybody talks at a time, how can I run the House? *...(Interruptions)...*ये भी बोल रहे हैं, वे भी बोल रहे हैं, हम किसकी बात सुनें ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती वृंदा कारत: सर, गृह मंत्री जी इस समय सदन में मौजूद हैं। प्रिविलेज जब होगा, तब होगा, लेकिन इस समय जिन पुलिस वालों ने हमारे सांसद के ऊपर इस प्रकार से लाठी चार्ज किया, निश्चित रूप से आज होम मिनिस्टर साहब को इस सदन में आश्वासन देना चाहिए कि वह उनके बारे में तुरन्त उचित कार्यवाही करेंगे। अगर आपको इस सदन की मर्यादा को बचाना है तो यह तो मिनिमम चीज़ है। दलित मुसलमानों के सवाल को लेकर जो सड़क पर उतरे, उनके ऊपर लाठियां चलाई गईं, इस प्रकार इस सदन की मर्यादा कभी बच नहीं सकती। श्री शिवराज पाटिल जी को इस पर बोलने दीजिए।

श्री उपसभापति: अगर वह बोलना चाहें, तो मैं उन्हें नहीं रोकूंगा।

श्रीमती वृंदा कारत: श्री शिवराज पाटिल जी को इस पर बोलने दीजिए।

श्री उपसभापति: क्या आप बोलना चाहेंगे? वह बोल रहे हैं।

श्री यशवंत सिन्हा (झारखंड): पहले गृह मंत्री जी हमें भी सुन लें, उसके बाद अपनी बात रखें। मैं यह कहना चाहता हूं कि यह इतना गंभीर मसला है, मैं मानता हूं कि गंभीर मामलों में जैसी सदन की परम्परा रही है, यह पूरा सदन ही प्रिविलेज कमेटी बन जाए और दोषी पुलिस पदाधिकारियों को यहां Bar of the House में बुला करके दंडित किया जाए। यह फैसला यहां पर होना चाहिए।

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी. पाटिल): श्रीमन्, हमें बड़ा दुःख है कि यहां पर एक सदस्य के साथ इस प्रकार का बर्ताव हुआ और इस प्रकार यह बताने का मौका आया। हम यह कहना चाहेंगे कि यह मामला प्रिविलेज कमेटी के सामने है, हम उसकी जांच-पड़ताल करके आपके सामने रिपोर्ट करेंगे और उसके मुताबिक जो भी प्रिविलेज कमेटी कहेगी, उसमें अगर कोई दोषी पाया गया, उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

एक माननीय सदस्य: तब होम मिनिस्टर उसमें क्या करेंगे?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: There is a limit to everything. The issue has been discussed. *...(Interruptions)...* The Privilege Committee is seized of the matter. *...(Interruptions)...*

श्री शरद यादव (बिहार): होम मिनिस्टर साहब, आपसे बहुत आसान तरीके से यह कहा, हालांकि मैं मानता हूं कि यह मामला प्रिविलेज में है, लेकिन जब मैम्बर ने अपनी व्यथा यहां पर कही है, यदि उनकी बात में तथ्य है और यदि इस तरह की घटना हुई है, तो यह आपके केवल जरा से कहने भर की बात है। इसके लिए वृंदा कारत जी ने एक बहुत अच्छा सुझाव दिया है, आप एक दिन में नहीं, तत्काल एक ही घंटे के भीतर इसका निदान कर सकते हैं। जिस तरह की इनकी हालत हुई, मैंने स्वयं उनको अस्पताल में जा करके देखा। मैं

आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि प्रिविलेज कमेटी में तो जो होगा, वह तो कमेटी देखेगी, लेकिन अभी आप स्वयं यहां बैठे हैं। यदि आप नहीं बैठे होते, तो यह निवेदन नहीं किया जाता। इस घटना को सुनने के बाद तो आपको तुरन्त कोई कार्यवाही करनी चाहिए। यह मेरी आपसे विनती है।

श्री शिवराज वी. पाटिल: मैंने आपको बता दिया है कि जिस समय ही रिपोर्ट आपके सामने आएगी और जो भी ...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखंड): तब तो प्रिविलेज कमेटी खुद ही करवा लेगी।

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: Even MPs are not safe in this country. *...(Interruptions)...* What is going on in this country? *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This way you cannot*...(Interruptions)...* वह रिप्लाई कर रहे हैं न ..(व्यवधान) Please, sit down *...(Interruptions)...* He is replying. *...(Interruptions)...*

श्री शिवराज वी. पाटिल: श्रीमन्, मैंने यह नहीं कहा है कि जो सम्माननीय सदस्य ने कहा, वह गलत है। मैंने यह कहा है कि हमें दुःख है कि ऐसा कहने का मौका आया और इसके बाद मैंने यह कहा कि हम जांच पड़ताल करके इसकी रिपोर्ट आपके सामने देंगे और यह भी कहा है कि सरकार या मिनिस्टर को किसी भी आदमी को सज़ा देने का हक़ तभी होता है, जब वह बात सिद्ध हो जाती है। वह बात या तो कोर्ट में सिद्ध हो जाए या प्रिविलेज कमेटी में सिद्ध हो जाए। ऐसे तो कार्यवाही नहीं हो सकती। अगर आपके खिलाफ कोई रिपोर्ट दी जाए तो क्या मैं आपको पनिश करूं।

श्री दिग्विजय सिंह (झारखंड): माननीय गृह मंत्री जी ने जो कहा ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: देखिए, दिग्विजय सिंह जी, अब यह मैटर हो गया है ...(**व्यवधान**)... I request the hon. Members to end this matter here. *...(Interruptions)...* No; no. *...(Interruptions)...* यह सही नहीं है ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह: आप भी इस सदन में हैं, क्या आपने कभी किसी एमपी को यह कहते हुए सुना कि मैं पिटा हूं, क्या कभी कोई एमपी यह कहता है कि मैं पिटा हूं। पहली बार इस बात को यह कह रहे हैं, नहीं तो यह बात अभी तक कौन बोला है?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The rules are there. *...(Interruptions)...* He has given a privilege notice. Let the Committee of Privileges come out with a report. *...(Interruptions)...*

श्री दिग्विजय सिंह: सर, आप डायरेक्शन दीजिए ...(**व्यवधान**)... मैं आपसे कह रहा हूँ ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: How can I give a direction? *...(Interruptions)...* What direction one can give when the matter is before the Committee of Privileges? *...(Interruptions)...*

श्री दिग्विजय सिंह: आप उनको बोलिए कि ...(**व्यवधान**)... घंटा, दो घंटे, चार घंटे ...(**व्यवधान**)... आप उनको डायरेक्शन दीजिए ...(**व्यवधान**)... क्या आप गृह मंत्री जी को डायरेक्शन नहीं दे सकते हैं? ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप जो भी पूछ रहे हैं, वह आपका अधिकार है ...(**व्यवधान**)... जो आप पूछ रहे हैं, वह मैं नहीं कह सकता ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह: अगर आप नहीं देंगे तो कौन देगा?...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Chair has already taken action and sent this matter to the Committee of Privileges. *...(Interruptions)...*

श्री दिग्विजय सिंह: सर, ...(**व्यवधान**)... जब तक प्रिविलेज कमेटी की रिपोर्ट आएगी ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप क्या डायरेक्शन चाहते हैं? ...(**व्यवधान**)... I would like to request the Members to please sit down. *...(Interruptions)...* What direction do you want from the Chair when the matter is before the Committee of Privileges? *...(Interruptions)...* What direction do you want?*...(Interruptions)...*

SHRI MANOHAR JOSHI (Maharashtra): The concerned officer, who has beaten him, can't you suspend him?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is not for the Chair to do that. *...(Interruptions)...* It is not for the Chair to do that. *...(Interruptions)...* The Chair has taken a decision and sent the matter to the Committee of Privileges. Once the Committee of Privileges' report comes, the House will take action.

श्री यशवंत सिन्हा: सर, अगर यही रवैया रहा तो इस देश में रोज एम0पीज़0 की पिटाई होगी ...(**व्यवधान**)... आर0पी0एफ0 ने क्या किया दूसरे सदन के एक सदस्य के साथ? ...(**व्यवधान**)... आर0पी0एफ0 ने दूसरे सदन के एक सदस्य के साथ क्या किया था? ...(**व्यवधान**)... इनकी पुलिस ने क्या किया इस सदस्य के साथ? रोज एम0पीज़0 पीटे जाएँगे ...(**व्यवधान**)... रोज एम0पीज़0 पीटे जाएँगे ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: देखिए ...(**व्यवधान**)... क्या हम यही सब्जैक्ट डिस्कस करेंगे? ...(**व्यवधान**)... दिग्विजय सिंह जी, आप प्लीज़ बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)... मैं आपको बुलाऊँगा ...(**व्यवधान**)... Please sit down. *...(Interruptions)...* I am on my legs. *...(Interruptions)...* Please sit down. *...(Interruptions)...* श्री रुढ़ी जी, आप बैठिए ...(**व्यवधान**)... I will give you an opportunity, please sit down. *...(Interruptions)...* एक तो उन ऑनरेबिल मैम्बर को बोलने की opportunity भी दी गई क्योंकि ...(**व्यवधान**)... Let me end this subject. *...(Interruptions)...* Let me end this subject. *...(Interruptions)...* I am going to take it up. *...(Interruptions)...*

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: Sir, this is about the North Indian people.. *...(Interruptions)...* This is a very serious matter. *...(Interruptions)...* They have been beaten up. *...(Interruptions)...*

श्री उपसभापति: प्रशांत चटर्जी जी, आप बैठिए ...(**व्यवधान**)... I am on my legs. *...(Interruptions)...* All of us; the entire House.. *...(Interruptions)...*

श्री विनय कटियार: गृह मंत्री जी ने कोई एक्शन लिया है क्या? ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: विनय कटियार जी, आप बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री विनय कटियार: आप इस घटना को छोड़ दीजिए, कोई और घटना ले लीजिए...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: कटियार जी, आप बैठिए प्लीज़ ...(**व्यवधान**)...

श्री विनय कटियार: उन्होंने अपना रटा-रटाया जवाब दिया है ...(**व्यवधान**)... दो महीने हो गए। दिल्ली के अन्दर यह रहते हैं। यह पुलिस विभाग के सीधे in-charge हैं...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप क्या कहना चाहते हैं? ...(**व्यवधान**)...

एक माननीय सदस्य: हम यह चाहते हैं कि ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: क्या यह मामला प्रिविलेज कमेटी से निकल जाना चाहिए? ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती वृंदा कारत: सर, एक सवाल है ...(**व्यवधान**)...

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: Sir, we want a simple assurance that action will be taken. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He has said that action will be taken after getting the Report.

श्रीमती वृंदा कारत: सर, ...(**व्यवधान**)... वह जाँच करवाएँगे ...(**व्यवधान**)... सर, हमारा यह सवाल है कि जब *prima facie* evidence है कि एक सांसद को दलित मुसलमानों के सवाल उठाते हुए पीटा गया है...(व्यवधान)... जब *prima facie* evidence है तो प्रिविलेज ...(व्यवधान)...

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: Sir, my turn was first. *...(Interruptions)...*

SHRIMATI BRINDA KARAT: Just one minute. *...(Interruptions)...* Sir, this is Government's inaction. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He is speaking for the first time. *...(Interruptions)...* आप बोलिए। ...(**व्यवधान**)... मैं आपको भी मौका दूँगा। इन्होंने पहले हाथ उठाया था।

श्री शान्ता कुमार (हिमाचल प्रदेश): सर, मैं एक बात पूछना चाहता हूँ। मैं सभापति जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने विशेषाधिकार प्रस्ताव को स्वीकार करके दे दिया, लेकिन सवाल यह है कि समिति तो केवल इस बात को देखेगी कि इस सदन के माननीय सदस्य के विशेषाधिकार का हनन हुआ या नहीं। वह केवल इस बात को देखेगी। प्रश्न यह है कि सदन से बाहर एक अपराध हुआ और अपराध हुआ एक माननीय सदस्य के खिलाफ। उस सम्बन्ध में माननीय गृह मंत्री जी ने आज तक वहाँ पर क्या कार्रवाई की है? क्या वह कार्रवाई इस रिपोर्ट के बाद होगी? क्या सरकार विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट का इंतजार करेगी, प्रशासन इंतजार करेगा और उसके बाद अपराध का cognisance लिया जाएगा? आज तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? इतने गम्भीर मामले पर आज तक उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हुई? केवल इसी का इंतजार क्यों किया गया, इसका उत्तर मैं माननीय मंत्री महोदय से चाहता हूं।

श्रीमती वृंदा कारत : महोदय, क्या यह गवर्नमेंट के inaction के लिए बहाना बनकर रहेगा? सवाल यह है कि आज जिस रूप में यह बात कही जा रही है कि प्रिविलेज मोशन है, इसलिए गृह मंत्रालय की कोई जिम्मेदारी नहीं होती है कि वह दोषी पुलिस ऑफिसर के खिलाफ तुरंत कार्यवाही करे जबकि *prima facie* evidence मौजूद है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : देखिए, वह नोटिस अलग है। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती वृंदा कारत : प्रिविलेज मोशन का आधार लेकर सरकार को बचाने का कार्य यहां होगा तो बहुत मुश्किल होगी। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : श्री रूडी।

श्री राजीव प्रताप रूडी : सर, एक बहुत ही हृदय-विदारक घटनाक्रम की चर्चा हमारे माननीय मित्र ने यहां पर की । यह सचमुच ही चिंता का विषय है और जिस प्रकार से इन्होंने अपनी दर्द-वेदना प्रकट की । मुझे

लगता है कि अगर वह थोड़ा और बोलते तो सभी माननीय सांसदों की आंखों में आंसू आ जाते, लेकिन ऐसी परिस्थिति निर्मित नहीं हुई। ...(**व्यवधान**)... लेकिन मैं देख रहा हूं कि माननीय गृह मंत्री जी इस मामले में कोई वक्तव्य देने के लिए तैयार नहीं हैं। महोदय, उनके just बगल में श्री लालू प्रसाद जी भी बैठे हुए हैं, शायद वह कुछ अपनी सहमति जताएं। लेकिन अगर हम मान लें कि आपका निर्देश प्राप्त नहीं होता और आपके निर्देश पर यह कुछ नहीं करना चाहते हैं तो मेरी एक और चिंता है और मैं समझता हूं कि सदन के और प्रतिपक्ष के लोग भी सहमत होंगे कि इस चिंता पर शायद कोई सहमति बनाकर जांच कराई जाए तो दूध-का-दूध और पानी-का-पानी हो जाएगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : देखिए रूडी जी, the matter is very simple. *...(Interruptions)...* The matter is very simple. *...(Interruptions)...*

श्री राजीव प्रताप रूडी : सर, एक लाइन ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. *...(Interruptions)...*This is not a debate. *...(Interruptions)...*

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: Sir, my last sentence*...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let us not deviate. *...(Interruptions)...* The hon. Member has given a Privilege Notice. If he had given any other Notice, the House would have taken cognizance of that. But he has given a Privilege Notice and that has been taken cognizance of. *...(Interruptions)...*

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: Sir, my last sentence*...(Interruptions)...*

श्री शिवानन्द तिवारी (बिहार): सर, आपने माननीय सदस्य को अपनी कहानी सुनाने की इज़ाजत दी, उसके बाद जो कुछ हुआ वह सदन के सामने है...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : आप बिना इज़ाजत अपनी बात नहीं कर सकते। Mr. Rudy, without permission, you cannot speak from here. *...(Interruptions)...* You can't go on record from here. *...(Interruptions)...* Go to your seat. You know this. You are a senior Member. *...(Interruptions)...*

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: Sir, my last sentence is*...(Interruptions)...* Please let me speak my last sentence. सर, मेरा यही आग्रह है कि अगर वह सीधा बयान नहीं दे सकते हैं तो एक विषय बड़ा महत्वपूर्ण है कि ऐसा क्या है कि यू0पी0ए0 की सरकार में जब पिटते हैं तो भा0ज0पा0 के सांसद आर0पी0एफ0 से मध्यप्रदेश में पिटते हैं ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no; I cannot allow that*....(Interruptions)...* Nothing will go on record. *...(Interruptions)...*

श्री राजीव प्रताप रूडी: *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, this subject is over. *...(Interruptions)...* Now, let us take up Maharashtra issue; Shrimati Brinda Karat. *...(Interruptions)...*

DR. V. MAITREYAN: Sir, we have also given a notice on atrocities on Tamilians in Sri Lanka.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will take up that also.

---

*Not recorded.